विश्व असमानता रिपोर्ट 2026

द्वारा समन्वित

लुकास चैंसल

रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा (मुख्य लेखक)

रोवैदा मोशरिफ

थॉमस पिकेटी

प्रस्तावना

जयती घोष

जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज़

कार्यकारी सारांश

WORLD INEQUALITY LAB

समन्वयकर्ता :
लुकास चैंसल
रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा, रोवैदा मोशरिफ, टॉमस पिकेट्टी

मुख्य लेखक :
रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा

अनुसंधान टीम :
डैनियल सांचेज़-ओर्डोनेज़

डेटा समन्वयक :
रौवैदा मोशरिफ

सांख्यिकीय विधियाँ

समन्वयक : इग्नासियो फ्लोरेस

डेटा टीम :
मैनुअल एरियास- ओसोरियो
इग्नासियो फ्लोरेस

रोवैदा मोशरिफ
गास्टन नीवास ऑफिडानी
आना वैन डेर री

संचार प्रबंधक :
एलिस फौवेल

यह रिपोर्ट निम्नलिखित द्वारा लिखे गए हालिया शोध लेखों पर आधारित है :

फैकुंदो अल्वारेडो; मेरी आंद्रीक्कू; मैनुएल आरियास-औसोरियो; लुइस बौलुज़; नीतिन कुमार भारती; टॉमस ब्लैंचेट; फिलिप बोथे; पियरे ब्रासेक; जूलिया केजे; लुकास चैंसल; जोनास दीत्रिच; दिमा एल हरीरी; मैथ्यू फिशर-पोस्ट; इग्नासियो फ्लोरेस; वैलेन्टिना गैब्रिएली; एमोरी गेथिन; रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा; थनासक जेनमाना; रोमेन लुबेस; क्लारा मार्टिनेज-तोलेडानो; झेक्सुन मो; कॉर्नेलिया मोहरन; मार्क मॉर्गन; रोवैदा मोशरिफ; स्टेला मुटी; तेरेसा नीफ; गैस्टन नेवास ऑफिडानी; मोरिट्ज़ ओडरस्की; टॉमस पिकेट्टी; एने-सोफी रोबिलियर्ड; इमैनुएल साएज़; एलिस सोडानो; अनमोल सोमान्ची; गैब्रियल ज़ुक्मैन; अल्वारो ज़ुनिगा-कोर्डेरो

यह रिपोर्ट वर्ल्ड इनइक्वलिटी लेब से जुड़े शोधकर्ताओं के व्यापक कार्य पर भी आधारित है, जो https://inequalitylab.world/en/team/ और https://wid.world/team/ पर उपलब्ध है।

रिपोर्ट डिज़ाइन :
रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा

वेबसाइट :
डेटाविज़ सेंट्रिक

संपादन :
फिलिप डाइन्स
ग्राहम फ्रैंकलैंड

कवर डिज़ाइन :
ऐलिस फौवेल

यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, वर्ल्ड इक्वलिटी लैब, और यूरोपीय संघ द्वारा होराइजन 2020 वाइज ग्रांट (#101095219) और ईआरसी साइनर्जी दीना लैब ग्रांट (#856455) के तहत समर्थन से लाभान्वित हुई। आवश्यक नहीं है कि इस रिपोर्ट में व्यक्त विचार संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम या अन्य पार्टनर संस्थानों के विचारों को व्यक्त करते हों।

वर्ल्ड इक्वालिटी लैब, 2025

क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस 4.0
प्रकाशकों की अनुमति के बिना इस रिपोर्ट का किसी अन्य भाषा में अनुवाद, स्थानांतरण या पुनरुत्पादन करना सख्त वर्जित है।

इस रिपोर्ट का हवाला कैसे दें : चैंसेल एल, गोमेज़-कैरेरा, आर. मौशरिफ एवं अन्य, *वर्ल्ड इनेक्वालिटी रिपोर्ट 2026*, वर्ल्ड इनेक्वालिटी लैब.

wir2026.wid.world

इस रिपोर्ट की एक समर्पित वेबसाइट है। इसे wir2026.wid.world में देखें

बॉक्स 0.1 : विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 (WIR 2026) के मुख्य अंश

द वर्ल्ड इक्वालिटी रिपोर्ट 2026 (WIR 2026) इस प्रमुख शृंखला का तीसरा संस्करण है, जो 2018 और 2022 के संस्करणों के बाद आया है। ये रिपोर्टें वर्ल्ड इक्वालिटी लैब से संबद्ध दुनिया भर के 200 से अधिक विद्वानों के कार्यों पर आधारित हैं, जो वैश्विक असमानता के ऐतिहासिक विकास पर मौजूद सबसे बड़े डेटाबेस में योगदान करते हैं। यह सामूहिक प्रयास असमानता पर होने वाली वैश्विक चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान है। नीति निर्माताओं, विद्वानों और नागरिकों द्वारा असमानता के पैमाने और कारणों को जिस तरह समझा जाता है उसे नया आकार देने में इस टीम ने मदद की है, जिसमें वैश्विक अमीरों के अलगाव और उच्चतम स्तर पर कर संबंधी न्याय की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। उनके निष्कर्षों ने राष्ट्रीय संसदों से लेकर G20 तक के मंचों पर राजकोषीय सुधार, संपत्ति पर कराधान, और पुनर्वितरण पर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बहसों को प्रेरित किया है।

उस नींव को आधार बनाकर WIR 2026 में क्षितिज का विस्तार किया गया है। इसमें असमानता के उन नए आयामों का अन्वेषण किया गया है जो इक्कीसवीं सदी को परिभाषित करते हैं : जलवायु और संपदा, लैंगिक असमानताएँ, मानव पूंजी तक असमान पहुँच, वैश्विक वित्तीय प्रणाली की विषमताएँ, और लोकतांत्रिक राजनीति को पुनः आकार दे रहे क्षेत्रीय विभाजन। कुल मिलाकर, ये विषय यह सामने लाते हैं कि आज असमानता सिर्फ आय या धन तक सीमित नहीं है; यह आर्थिक और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करती है।

आज मानव पूंजी तक पहुँच में बहुत भारी वैश्विक असमानता बनी हुई है, और यह फासला संभवतः अधिकांश लोगों की कल्पना से भी अधिक व्यापक है। उप-सहारा अफ्रीका में प्रति बच्चा औसत शिक्षा व्यय लगभग €200 (क्रय शक्ति समता, PPP) ही था जो यूरोप में €7,400 और उत्तरी अमेरिका तथा ओशिनिया में €9,000 था : 1 : 40 से भी अधिक का अंतर, अर्थात प्रति व्यक्ति जीडीपी के अंतर से लगभग तिगुना। ऐसी असमानताएँ अवसरों के ऐसे भौगोलिक परिदृश्य को स्थापित करती हुई पीढ़ियों तक जीवन के अवसरों को आकार देती हैं जो संपत्ति की वैश्विक श्रेणीबद्ध व्यवस्था को बढ़ाती और बनाए रखती है।

रिपोर्ट यह भी दिखाती है कि जलवायु परिवर्तन में योगदान का वितरण बिल्कुल भी समान नहीं है। जहाँ सार्वजनिक बहस अक्सर उपभोग से जुड़े उत्सर्जन पर केंद्रित होती है, वहीं नए अध्ययनों ने उजागर किया है कि उत्सर्जन की असमानता में पूंजी का स्वामित्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निजी पूंजी के स्वामित्व से जुड़े वैश्विक उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर सबसे धनी 10% व्यक्तियों का 77% योगदान है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि जलवायु संकट को धन के संकेंद्रण से क्यों अलग नहीं किया जा सकता है। इसके समाधान के लिए उन वित्तीय और निवेश संबंधी संरचनाओं का लक्षित पुनर्संरेखण आवश्यक है जो उत्सर्जन और असमानता, दोनों को बढ़ावा देती हैं।

अगर हम महिलाओं द्वारा अपने अनुपात से अधिक परिमाण में किए जाने वाले अदृश्य, अवैतनिक श्रम को ध्यान में रखें, तो लैंगिक असमानता भी पूरी तरह से अलग दिखती है। अवैतनिक घरेलू तथा देखभाल संबंधी श्रम को शामिल कर लेने पर तो यह अंतराल काफी बढ़ जाता है। महिलाएँ वैतनिक और अवैतनिक, दोनों गतिविधियों में प्रति कार्य घंटे पुरुषों की तुलना में औसतन 32% कम कमाती हैं। ये निष्कर्ष निरंतर भेदभाव को ही नहीं, समाजों द्वारा श्रम को महत्व देने और आबंटित करने के तरीकों में गहरी अक्षमताओं को भी उजागर करते हैं।

वैश्विक वित्तीय प्रणाली असमानता को कैसे मजबूत करती है, उसका WIR 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तावेजीकरण किया गया है। संपन्न अर्थव्यवस्थाएँ "अत्यधिक विशेषाधिकार" से लाभान्वित होती रहती हैं : प्रत्येक वर्ष, वैश्विक जीडीपी का 1% से अधिक हिस्सा (जो विकास सहायता से लगभग तीन गुना अधिक है) शुद्ध आय अंतरणों, ब्याज भुगतानों और मूल्यांकन संबंधी प्रभावों के माध्यम से गरीब देशों से अमीर देशों की ओर प्रवाहित होता है। इस प्रक्रिया को पलट डालना वैश्विक समानता के लिए किसी भी विश्वसनीय रणनीति का केंद्रबिंदु है।

निष्कर्ष रूप में, यह रिपोर्ट देशों के भीतर क्षेत्रीय विभाजनों के उदय पर प्रकाश डालती है। अनेक उन्नत लोकतंत्रों में, बड़े महानगरीय केंद्रों और छोटे शहरों के बीच राजनीतिक संबद्धता में मौजूद फासला उन स्तरों तक पहुँच गया है जैसा एक सदी में नहीं देखा गया। सार्वजनिक सेवाओं, रोजगार के अवसरों तक असमान पहुंच, और व्यापारिक झटकों के सामने अरक्षित स्थिति ने सामाजिक एकजुटता को तोड़ दिया है और पुनर्वितरण संबंधी सुधार के लिए आवश्यक गठबंधनों को कमजोर कर दिया है।

नए आंकड़ों की प्रचुरता के अलावा, WIR 2026 यह समझने के लिए भी रूपरेखा प्रदान करती है कि आर्थिक, पर्यावरणीय और राजनीतिक असमानताएँ कैसे एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं। इसमें प्रगतिशील कराधान, मानवीय क्षमताओं में निवेश, निजी पूंजी के स्वामित्व से जुड़ी जलवायु संबंधी जवाबदेही, और विश्वास तथा एकजुटता को फिर से स्थापित करने में सक्षम समावेशी राजनीतिक संस्थानों के माध्यम से इन विभाजनों को उनकी जड़ से ही दूर करने के लिए नए सिरे से वैश्विक सहयोग का आह्वान किया गया है।

असमानता लंबे समय से वैश्विक अर्थव्यवस्था की निर्धारक विशेषता रही है, लेकिन 2025 तक यह उन स्तरों पर पहुंच गई है जिन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। वैश्वीकरण और आर्थिक विकास के लाभ एक छोटे समूह तक असमान रूप से पहुँचे हैं, जबकि दुनिया की अधिकांश आबादी को अभी भी स्थायी आजीविका प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ये विभाजन अपरिहार्य नहीं हैं। वे राजनीतिक और संस्थागत विकल्पों के परिणाम हैं।

यह रिपोर्ट वर्ल्ड इनइक्वलिटी डेटाबेस और नए शोध पर आधारित है, जो आय, संपत्ति, लिंग, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, जलवायु संबंधी जवाबदेही, कराधान और राजनीति में असमानता की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करती है। [1]

निष्कर्ष स्पष्ट हैं : असमानता अत्यधिक और स्थायी बनी हुई है; यह कई आयामों में प्रकट होती है जो एक-दूसरे से जुड़ते और एक-दूसरे को मजबूत करते हैं; और गठबंधनों को खंडित तथा राजनीतिक सहमति को कमजोर करके यह लोकतंत्रों को पुनः आकार देती है। फिर भी, डेटा यह भी यह दर्शाते हैं कि असमानता को कम किया जा सकता है। पुनर्वितरण संबंधी अंतरण, प्रगतिशील कराधान, मानव पूंजी में निवेश और श्रमिकों के अधिक मजबूत अधिकार जैसी नीतियों ने कुछ संदर्भों में अंतर पैदा किया है। करोड़पतियों पर न्यूनतम संपत्ति करों जैसे प्रस्ताव दर्शाते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु अनुकूलन के वित्तपोषण के लिए किस पैमाने पर संसाधन जुटाए जा सकते हैं। असमानता को कम करना निष्पक्षता का ही मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्थाओं के लचीलापन, लोकतंत्रों की स्थिरता और हमारी धरती की जीवंतता के लिए भी अनिवार्य है।

दुनिया अत्यंत असमान है

डेटा से उभरने वाला पहला और सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि असमानता अभी भी बहुत उच्च स्तर पर बनी हुई है। **चित्र 1** दर्शाता है कि आज वैश्विक आबादी के शीर्ष 10% आय अर्जित करने वाले लोग शेष 90% से अधिक कमाते हैं, जबकि वैश्विक आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से को कुल वैश्विक आय का 10% से भी कम हिस्सा मिलता है। धन और भी अधिक केंद्रित है : वैश्विक संपत्ति का तीन-चौथाई हिस्सा शीर्ष 10% के पास है, जबकि निचले आधे हिस्से के पास उसका केवल 2% है।

जब हम शीर्ष 10% से आगे देखते हैं तो स्थिति और भी विकट हो जाती है। **चित्र 2** दर्शाता है कि मानवता के आधे हिस्से की संपत्ति से तिगुने से भी अधिक संपत्ति आज सबसे अमीर 0.001% अर्थात 60,000 से भी कम अरबपतियों के नियंत्रण में है । उनका हिस्सा 1995 में लगभग 4% था जो लगातार बढ़ते हुए आज 6% से अधिक हो गया है, जो असमानता की निरंतरता को रेखांकित करता है।

यह केंद्रीकरण बरकरार ही नहीं है, तेजी से बढ़ भी रही है। **चित्र 3** दिखाता है कि संपत्ति संबंधी अत्यधिक असमानता तेजी से बढ़ रही है। 1990 के दशक से अरबपतियों और दस-करोड़पतियों की संपत्ति लगभग 8% वार्षिक दर से बढ़ी है, जो आबादी के निचले आधे हिस्से की संपत्ति वृद्धि दर से लगभग दूनी है। सबसे गरीब लोगों को मामूली लाभ हुआ है, लेकिन ये सबसे ऊपरी स्तर पर होने वाले असाधारण संचय के सामने कहीं नहीं ठहरते हैं।

परिणामस्वरूप, दुनिया ऐसी हो गई है जिसमें एक बहुत छोटा अल्पसंख्यक समूह अभूतपूर्व वित्तीय शक्ति का मालिक है, जबकि अरबों लोग बुनियादी आर्थिक स्थिरता से भी वंचित हैं।

असमानता और जलवायु परिवर्तन

जलवायु संकट एक सामूहिक चुनौती है लेकिन यह गंभीर रूप से असमान संकट भी है। **चित्र 4** दिखाता है कि वैश्विक आबादी का सबसे गरीब आधा हिस्सा द्वारा निजी पूंजी स्वामित्व से जुड़ा सिर्फ 3% कार्बन उत्सर्जन करता है, जबकि शीर्ष 10% 77% उत्सर्जन करते हैं। वहीं, निजी पूंजी स्वामित्व से होने वाले उत्सर्जन का 41% भाग अकेले सबसे अमीर 1% लोग उत्पन्न करते हैं, जो निचले 90% द्वारा किए गए कुल उत्सर्जन का लगभग दूना है।

यह असमानता अरक्षितता के बारे में है। जो सबसे कम उत्सर्जन करते हैं, जो मुख्य रूप से निम्न-आय वाले देशों की आबादी है, वे जलवायु के झटकों के प्रति सबसे अधिक अरक्षित भी हैं। वहीं, जो सबसे अधिक उत्सर्जन करते हैं वे बेहतर रूप से सुरक्षित हैं, उनके पास जलवायु परिवर्तन के परिणामों के अनुकूल होने या उनसे बचने के लिए संसाधन मौजूद हैं। इसलिए यह असमान जिम्मेदारी जोखिम का भी एक असमान वितरण है। जलवायु संबंधी असमानता पर्यावरणीय और सामाजिक संकट, दोनों है।

लैंगिक असमानता

असमानता महज आय, संपत्ति या उत्सर्जन का प्रश्न नहीं है। यह दैनिक जीवन की संरचनाओं में भी निहित है जो यह निर्धारित करती है कि किसके काम को मान्यता दी जाती है, किसके योगदान को पुरस्कृत किया जाता है, और किसके अवसर सीमित किए जाते हैं। पुरुषों और महिलाओं के बीच का फासला सबसे लगातार और व्यापक विभाजनों में से एक है।

चित्र 1. दुनिया अत्यंत असमान है

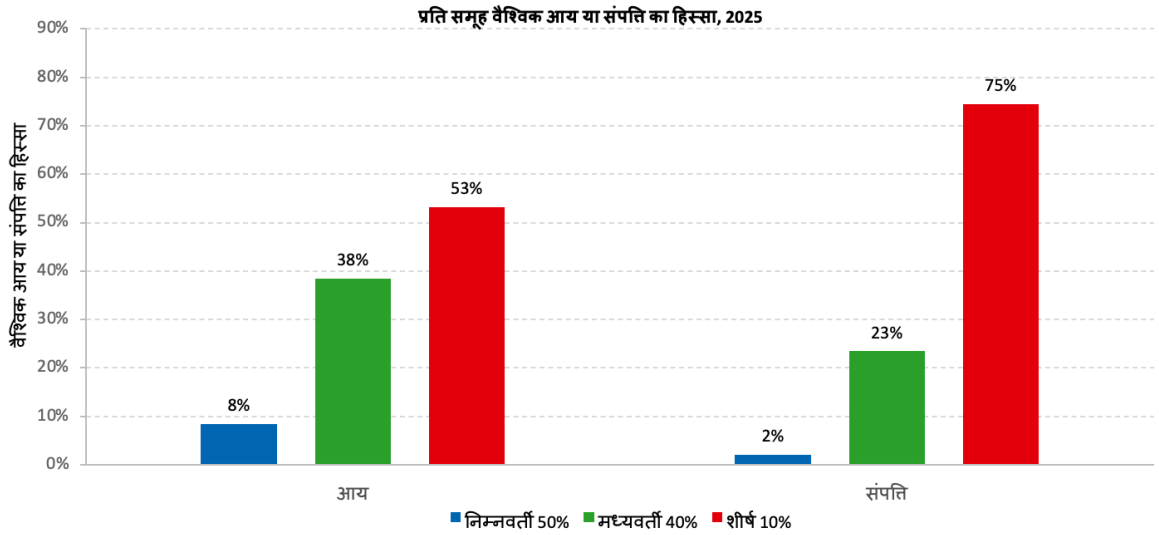

व्याख्या। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 50% लोग 2025 के PPP पर मापी गई कुल आय का 8% हिस्सा प्राप्त करते हैं। वहीं ,वैश्विक स्तर पर निचले 50% के पास 2025 के PPP पर मापी गई संपत्ति का 2% हिस्सा है। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10% के पास कुल व्यक्तिगत संपत्ति का 75% हिस्सा है और 2025 में कुल आय का 53% हिस्सा उनके हिस्से आया। ध्यान दें कि शीर्ष संपत्ति-धारक शीर्ष आय-धारक भी हों यह जरूरी नहीं है। आय की गणना व्यक्तियों द्वारा पेंशन और बेरोजगारी भत्ते प्राप्त करने के बाद, और करों तथा अंतरणों से पहले की गई है। **स्रोत और शृंखलाएँ** : wir2026.wid.world/methodology.

वैश्विक स्तर पर, महिलाएँ श्रम से होने वाली कुल आय का एक-चौथाई से थोड़ा अधिक हिस्सा प्राप्त करती हैं जिस हिस्से में 1990 से शायद ही कोई बदलाव आया है। क्षेत्रों के अनुसार विश्लेषण करने पर (चित्र 5), मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 16%; दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में 20%; उप-सहारा अफ्रीका में 28%; और पूर्वी एशिया में 34% है। यूरोप, उत्तरी अमेरिका, ओशिनिया, तथा रूस और मध्य एशिया का प्रदर्शन बेहतर है, लेकिन महिलाएँ तब भी श्रमजनित आय का लगभग 40% ही प्राप्त करती हैं।

महिलाएँ पहले की ही तरह पुरुषों से अधिक काम करती हैं और कम कमाती हैं। चित्र 6 दिखाता है कि महिलाएँ पुरुषों की तुलना में अधिक घंटे काम करती हैं। घरेलू और देखभाल संबंधी कार्य को ध्यान में रखने पर, महिलाएँ प्रति सप्ताह औसतन 53 घंटे काम करती हैं जबकि पुरुष 43 घंटे। फिर भी, उनके काम को लगातार कम महत्व दिया जाता है। अवैतनिक कार्य को छोड़ दें, तो महिलाएँ पुरुषों की प्रति घंटा आय का केवल 61% कमाती हैं; वहीं, अवैतनिक श्रम को शामिल करने पर यह आँकड़ा घटकर मात्र 32% रह जाता है। ये असमान जिम्मेदारियाँ महिलाओं के कॅरियर के अवसरों को सीमित करती हैं, राजनीतिक भागीदारी से रोकती हैं, और संपत्ति के संचय को धीमा कर देती हैं। इसलिए लैंगिक असमानता निष्पक्षता का ही प्रश्न नहीं है, संरचनात्मक अक्षमता भी है : जो अर्थव्यवस्थाएँ अपनी आधी आबादी के श्रम का कम मूल्यांकन करती हैं, वे विकास और लचीलेपन की अपनी क्षमता को कमजोर करती हैं।

क्षेत्रों के बीच असमानता

वैश्विक औसत क्षेत्रों के बीच मौजूद विशाल फासलों को छिपाते हैं। चित्र 7 दिखाता है कि दुनिया स्पष्ट आय स्तरों में बंटी हुई है : उच्च-आय वाले क्षेत्र जैसे उत्तरी अमेरिका, ओशिनिया और यूरोप; मध्यम-आय समूह जिनमें रूस एवं मध्य एशिया, पूर्वी एशिया तथा मध्य पूर्व एवं उत्तरी अफ्रीका शामिल हैं; तथा बहुत अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र जहाँ औसत आय कम रहती है, जैसे लैटिन अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और उप-सहारा अफ्रीका।

क्षेत्रों के बीच मूल्य संबंधी अंतरों के लिए समायोजन करने पर भी, ये अंतर बहुत स्पष्ट हैं। उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया में औसत व्यक्ति उप-सहारा अफ्रीका के किसी व्यक्ति की तुलना में लगभग तेरह-गुना अधिक और वैश्विक औसत से तीन-गुना अधिक कमाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया में औसत दैनिक आय लगभग €125 है जबकि उप-सहारा अफ्रीका में यह केवल €10 है। और ये तो औसत हैं : प्रत्येक क्षेत्र के भीतर, बहुत सारे लोग इससे बहुत कम आय के सहारे जीते हैं।

चित्र 2. संपत्ति संबंधी अत्यधिक असमानता स्थायी और बढ़ती जाने वाली है

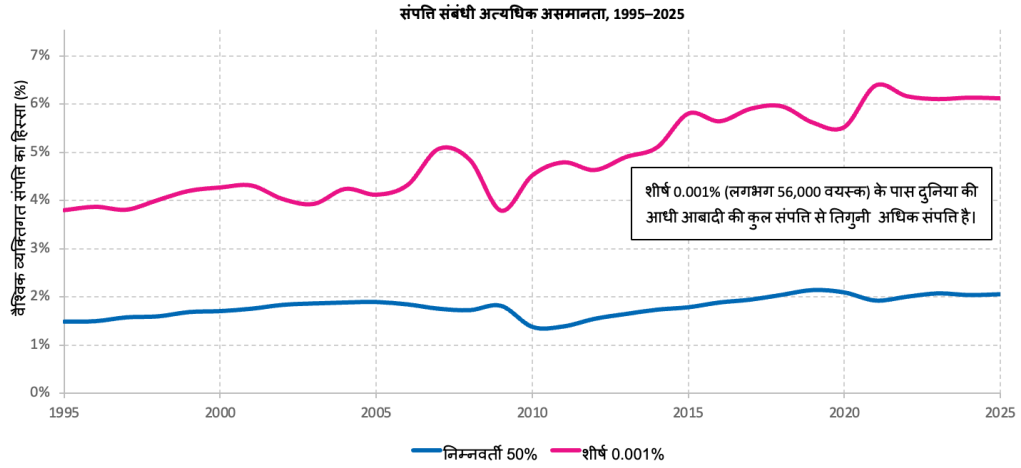

व्याख्या। सबसे अमीर 0.001% वयस्कों द्वारा नियंत्रित व्यक्तिगत संपत्ति का हिस्सा 1995 में कुल संपत्ति का लगभग 3.8% था जो बढ़ते हुए 2025 में लगभग 6.1% हो गया। बहुत मामूली वृद्धि के बाद, आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से के पास मौजूद संपत्ति का हिस्सा 2000 के दशक की शुरुआत से लगभग 2% पर स्थिर रहा है। शुद्ध व्यक्तिगत संपत्ति, व्यक्तियों के स्वामित्व वाली वित्तीय संपत्तियों (जैसे इक्विटी या बॉन्ड) और गैर-वित्तीय संपत्तियों (जैसे आवास या भूमि) के योग के बराबर है, जिसमें से उनके ऋण घटा दिए गए हैं। **स्रोत और शृंखलाएँ** : Arias–Osorio एवं अन्य (2025) और wir2026.wid.world/methodology.

क्षेत्रों के भीतर आय और संपत्ति के वितरण को दर्शाकर चित्र 8 इस बात को रेखांकित करता है। आय हर जगह असमान रूप से वितरित है, और शीर्ष 10% को निचले 50% की तुलना में लगातार अधिक हिस्सा हासिल है। लेकिन जब संपत्ति की बात आती है, तो इसका केंद्रीकरण और भी अधिक चरम होता है। सभी क्षेत्रों में, सबसे धनी 10% लोगों का कुल संपत्ति का आधे से भी अधिक हिस्से पर नियंत्रण है, और अक्सर निचले 50% के पास बहुत छोटा सा हिस्सा ही बचता है।

क्षेत्रों के बीच और उनके भीतर, दोनों ही जगह बहुत अधिक असमानता मौजूद है। उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया जैसे कुछ क्षेत्र वैश्विक औसत से अधिक औसत आय और संपत्ति का आनंद लेते हैं, फिर भी वे क्षेत्र बड़ी आंतरिक असमानताएँ दर्शाते हैं। वहीं, उप-सहारा अफ्रीका जैसे अन्य क्षेत्र निम्न औसत के स्तर और चरम आंतरिक असमानता के दोहरे बोझ का सामना करते हैं।

वर्ल्ड इनक्वालिटी डेटाबेस (wid.world) की एक विशिष्ट ताकत सबसे गरीब व्यक्तियों से लेकर सबसे अमीरों तक के पूरी वितरण में आय और संपत्ति को ट्रैक करने के साथ-साथ कई वर्षों के लिए देश स्तर पर जानकारी प्रदान करने की भी इसकी क्षमता है। इससे क्षेत्रों के बीच और विभिन्न क्षेत्रों में ही नहीं, अलग-अलग देशों के भीतर और उनके बीच मौजूद असमानता की जांच करना संभव हो जाता है।

चित्र 9 में इसे शीर्ष 10%/ निम्न 50% (T10/B50) आय अनुपात के साथ दर्शाया गया है, जो सरल लेकिन शक्तिशाली माप है जो पता करता है कि शीर्ष 10% लोग सबसे गरीब आधे लोगों की तुलना में औसतन कितने गुना अधिक कमाते हैं। इसका उत्तर देशों के भीतर बड़ी असमानताओं को उजागर करता है।

देशों के भीतर असमानता का मामला हर जगह गंभीर है, लेकिन इसकी तीव्रता स्पष्ट पैटर्न का अनुसरण करती है। यूरोप और उत्तरी अमेरिका तथा ओशिनिया सबसे कम असमानताओं वाले क्षेत्रों में शामिल हैं, हालांकि यहाँ भी शीर्ष समूहों का निचले आधे हिस्से की तुलना में काफी अधिक संपत्ति पर कब्जा है। संयुक्त राज्य अमेरिका अपवाद के रूप में उभरता है जहाँ असमानता का स्तर उच्च-आय वाले समकक्षों से अधिक है। इसके विपरीत, लैटिन अमेरिका, दक्षिणी अफ्रीका, और मध्य पूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका में निचले 50% लोगों की कम आय के साथ-साथ शीर्ष पर संपत्ति का अत्यधिक संकेंद्रण है, जिसके परिणामस्वरूप वहाँ T10/B50 के लिहाज से आय संबंधी फासले दुनिया भर में लगभग सबसे अधिक हैं।

पुनर्वितरण, कराधान, और चोरी

देशों में और समय के साथ मौजूद असमानता का अध्ययन करने से पता चलता है कि नीति वास्तव में असमानता घटा सकती है। आकृति 10

चित्र 3. पहले से ही अत्यंत धनी लोगों की संपत्ति काफी अधिक बढ़ी है

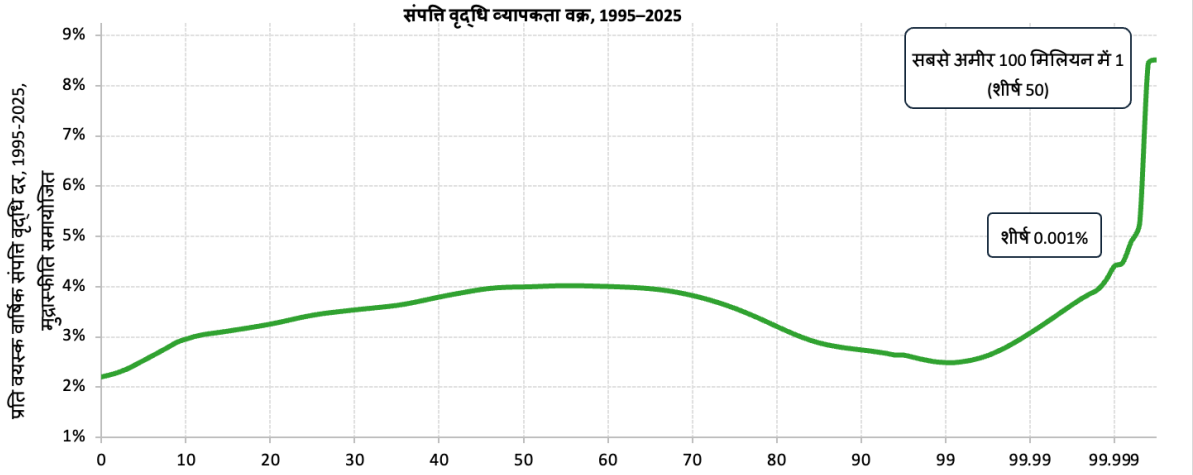

व्याख्या। वर्ष 1995 और 2025 के बीच वैश्विक वितरण में शुद्ध व्यक्तिगत संपत्ति की वृद्धि दरों में तीव्र भिन्नता देखी गई। जहाँ निचले 50% के लिए प्रति वर्ष लगभग 2–4% की सकारात्मक वृद्धि हुई, वहीं उनकी कम शुरुआती संपत्ति के कारण उन्हें कुल वैश्विक संपत्ति वृद्धि का केवल 1.1% हिस्सा ही हासिल हुआ। इसके विपरीत, शीर्ष 1% के लिए वार्षिक वृद्धि दरें काफी अधिक थीं, जो 2 से 9% तक थीं, और इसी अवधि में उन्हें वैश्विक संपत्ति वृद्धि का 36.7% हिस्सा हासिल हुआ। वितरण के सबसे ऊपरी हिस्से में, जिसमें सबसे अमीर 50 व्यक्ति शामिल हैं, सबसे तीव्र वृद्धि देखी गई। शुद्ध व्यक्तिगत संपत्ति को व्यक्तियों के स्वामित्व वाले वित्तीय (जैसे इक्विटी, बॉन्ड) और गैर-वित्तीय संपत्तियों (जैसे आवास, भूमि) के योग के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें से उनके ऋण घटा दिए गए हैं। **टिप्पणी।** केंद्रित चल औसत का उपयोग करके वक्र को निखारा गया है। **स्रोत और शृंखलाएँ** : एरियास-ओसोरीयो एवं अन्य. (2025), चैंसल एवं अन्य (2022), और wir2026.wid.world/methodology।

दिखाती है कि प्रगतिशील कराधान और, खास तौर पर पुनर्वितरण संबंधी अंतरणों ने हर क्षेत्र में असमानता काफी घटा दी है, खास कर तब जब प्रणालियाँ अच्छी तरह तैयार की गई हों और लगातार लागू की गई हों। यूरोप और उत्तरी अमेरिका एवं ओशिनिया में, कर और अंतरण प्रणालियों के कारण आय संबंधी अंतर में लगातार 30% से अधिक कमी आई है। यहाँ तक कि लैटिन अमेरिका में भी, 1990 के दशक के बाद शुरू की गई पुनर्वितरणवादी नीतियों ने फासले घटाने के मामले में बड़ी प्रगति की है। सबूत बताते हैं कि हर क्षेत्र में, पुनर्वितरणवादी नीतियाँ असमानता को कम करने में प्रभावी रही हैं, लेकिन इसमें काफी भिन्नताएँ हैं।

मानव पूंजी तक पहुँच में अभी भी बहुत भारी वैश्विक असमानता बरकरार है : यह उन स्तरों पर है जो शायद अधिकांश लोगों की कल्पना से कहीं अधिक हैं। 2025 में, उप-सहारा अफ्रीका में प्रति बच्चा औसत शिक्षा व्यय मात्र €220 (PPP) था, जबकि यूरोप में यह €7,430 और उत्तरी अमेरिका तथा ओशिनिया में €9,020 (चित्र 11 देखें) : 1 की तुलना में 40 से भी अधिक का अंतर, यानी प्रति व्यक्ति जीडीपी या शुद्ध राष्ट्रीय आय (एनएनआई) में अंतर का लगभग तिगुना। इस प्रकार की असमानताएँ वैश्विक संपत्ति पदानुक्रम को बढ़ावा देने और स्थायी बनाने वाले अवसरों के भूगोल को मजबूत करके देकर पीढ़ियों तक जीवन के अवसरों को आकार देती हैं।

इसके अतिरिक्त, कराधान अक्सर वहीं विफल रहता है जहाँ इसकी सबसे अधिक जरूरत होती है : वितरण के शीर्ष पर। चित्र 12 दिखाता है कि अति-धनी लोग कैसे कराधान से बच निकलते हैं। अधिकांश लोगों के लिए आय कर की प्रभावी दरें लगातार बढ़ती जाती हैं, लेकिन अरबपतियों और दस-करोड़पतियों के लिए इनमें तेज गिरावट आ जाती है। ये अभिजात वर्गीय लोग आनुपातिक रूप से उन अधिकांश परिवारों की अपेक्षा कम भुगतान करते हैं जिनकी आय बहुत कम होती है। यह प्रतिगामी पैटर्न राज्यों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और जलवायु संबंधी कार्रवाई में निवेश के लिए आवश्यक संसाधनों से वंचित कर देता है। कर प्रणाली में विश्वास में कमी लाकर यह निष्पक्षता और सामाजिक एकजुटता को भी कमजोर करता है। इसलिए प्रगतिशील कराधान बहुत जरूरी है : यह सार्वजनिक वस्तुओं के वित्तपोषण और असमानता में कमी लाने के लिए राजस्व ही नहीं जुटाता है, यह सुनिश्चित करके राजकोषीय प्रणालियों की वैधता को भी मजबूत करता है कि सबसे अधिक साधन संपन्न लोग अपने उचित हिस्से का योगदान करें।

चित्र 4. सबसे अमीर लोग वैश्विक उत्सर्जन के बहुत बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं

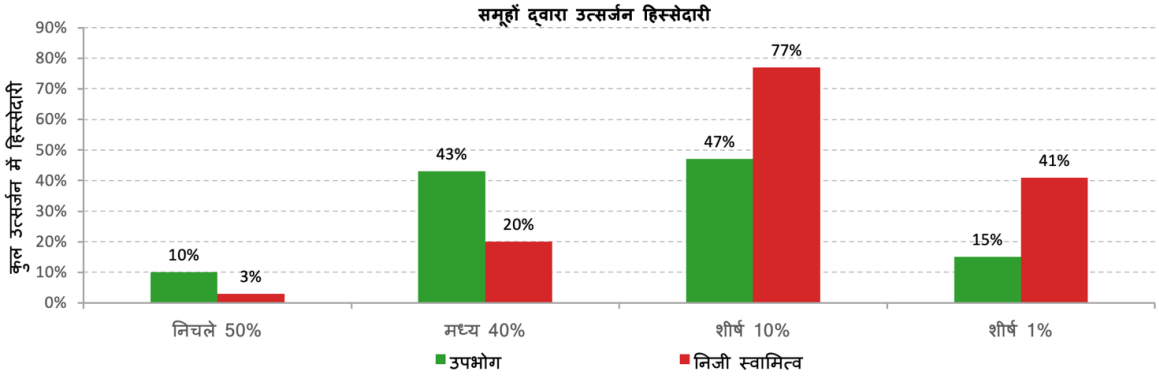

व्याख्या। यह आंकड़ा विश्व की जनसंख्या के निचले 50% और शीर्ष 1% के कारण वैश्विक GHG उत्सर्जन का हिस्सा दर्शाता है। उत्सर्जन को उपभोग-आधारित (अंतिम उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले उत्पादन से उत्सर्जन) और स्वामित्व-आधारित (व्यक्तियों के स्वामित्व वाली फर्मों और परिसंपत्तियों से स्कोप 1 उत्सर्जन) में विभाजित किया गया है। निजी स्वामित्व-आधारित उत्सर्जन (कुल उत्सर्जन का लगभग 60% प्रतिनिधित्व करता है) में सरकारी स्वामित्व वाले या प्रत्यक्ष घरेलू उत्सर्जन शामिल नहीं हैं। स्वामित्व-आधारित दृष्टिकोण द्वारा कवर किए गए उत्सर्जन की कुल मात्रा अपेक्षाकृत रूप से यहां प्रस्तुत उपभोग-आधारित दृष्टिकोण में स्पष्ट रूप से शामिल की गई मात्रा के करीब है। उत्तरार्द्ध मानता है कि सरकारी गतिविधियों और निवेश से जुड़े उत्सर्जन, जो आम तौर पर कुल उत्सर्जन का 30%-40% प्रतिनिधित्व करते हैं, वितरण-तटस्थ हैं (ब्रुकनर एट अल. (2022))। (2022) और चांसल और रेहम (2025बी)।

वैश्विक वित्तीय प्रणाली के कारण असमानता

असमानता वैश्विक वित्तीय प्रणाली में भी गहराई से निहित है। चित्र 13 दर्शाता है कि वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना इस प्रकार बनाई गई है कि यह व्यवस्थित रूप से असमानता को पैदा करती है। आरक्षित मुद्राएँ जारी करने वाले देश लगातार कम लागत पर उधार ले सकते हैं, उच्च दरों पर ऋण दे सकते हैं, और वैश्विक बचत को आकर्षित कर सकते हैं। इसके विपरीत, विकासशील देशों को इसके उलट स्थिति - महँगे कर्ज, कम लाभ वाली संपत्तियों, और आय के निरंतर बाहर प्रवाह - का सामना करना पड़ता है।

संपन्न राष्ट्रों के लिए यह विशेषाधिकर बाजार की कुशलता को व्यक्त करने के बजाय संस्थागत रूपरेखा को दर्शाता है जो संपन्न अर्थव्यवस्थाओं के हित में आरक्षित करेंसी जारी करने वालों और वित्तीय केंद्रों को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली के केंद्र में रखता है। केंद्रीय बैंक रिजर्व, नियामक मानकों (यानी, बेसल III) और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के निर्णयों द्वारा प्रबलित अमेरिकी ट्रेजरी और यूरोपीय संप्रभु बांड जैसी "सुरक्षित" परिसंपत्तियों की लगातार मांग इस लाभ को सुनिश्चित करती है (चित्र 14 देखें)। इसका परिणाम यह है कि अमीर देश लगातार सस्ता उधार लेते हैं जबकि विदेशों में उच्च लाभ वाली परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं, जिससे वे गरीब देशों की कीमत पर खुद को वित्तीय किरायाजीवी के रूप में स्थापित करते हैं।

इसका परिणाम संरचनात्मक रूप से असमान आदान-प्रदान का आधुनिक रूप है। जहाँ औपनिवेशिक शक्तियाँ कभी संसाधनों को निकालकर घाटों को अधिशेष में बदलती थीं, वहीं आज की उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ वही परिणाम वित्तीय प्रणाली के माध्यम से हासिल करती हैं। विकासशील देशों को संसाधनों को बाहर स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया जाता है, और शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल तथा अधिसंरचना में निवेश करने की उनकी क्षमता अवरुद्ध हो जाती है। यह कृत्य न सिर्फ वैश्विक असमानता को गहराती है, बल्कि राष्ट्रों के भीतर असमानता को भी बढ़ाती है, क्योंकि समावेशी विकास के लिए राजकोषीय गुंजाइश कम हो जाती है।

चित्र 5. महिलाएँ हर जगह पुरुषों की तुलना में लगातार कम श्रमजनित आय प्राप्त करती हैं

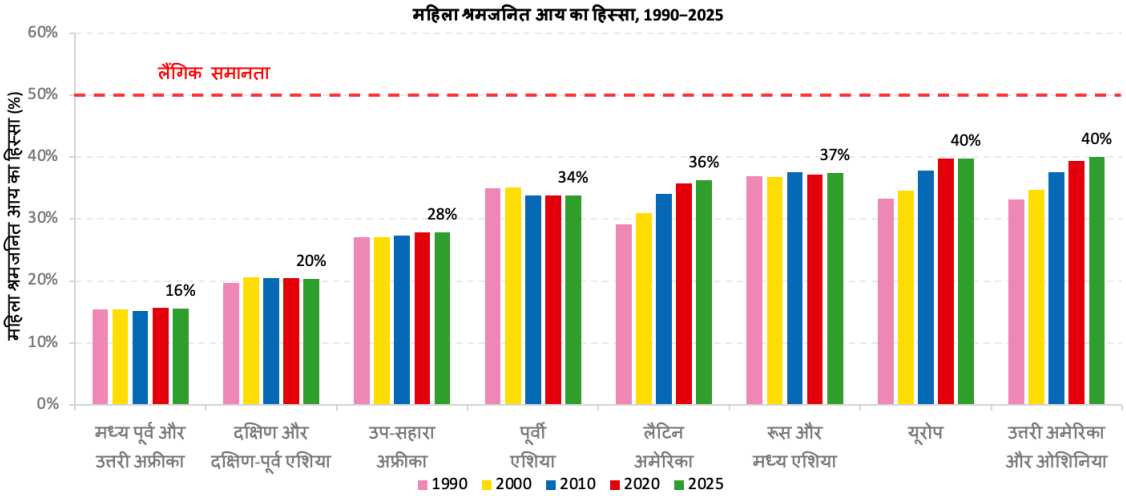

व्याख्या। यह चित्र 1990 से 2025 तक विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिला श्रमजनित आय की हिस्सेदारी के विकास को दर्शाती है। वर्ष 2025 में, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में महिला श्रमिक कुल श्रमजनित आय का लगभग 16% कमाती हैं, लेकिन उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया तथा यूरोप में लगभग 40% कमाती हैं। वहीं ,वैश्विक स्तर पर, महिलाओं ने 1990 में श्रमजनित आय का 27.8% और 2025 में 28.2% अर्जित किया। हालांकि कुछ प्रगति हुई है, लेकिन सभी क्षेत्रों में लैंगिक समानता अभी भी दूर की कौड़ी है।
स्रोत और शृंखला : नीफ़ और रोबिलियर्ड (2021), गैब्रिएली एवं अन्य (2024), और wir2026.wid.world/methodology.

राजनीतिक विभाजन और लोकतंत्र

आर्थिक विभाजन बाज़ार तक ही सीमित नहीं रहते; वे सीधे राजनीति में समा जाते हैं। असमानता यह निर्धारित करती है कि किसका प्रतिनिधित्व होता है, किसकी आवाज़ का वज़न होता है, और गठबंधन कैसे बनते हैं, या बनने में विफल रहते हैं। चित्र 15 दिखाता है कि पश्चिमी लोकतंत्रों में राजनीति का पारंपरिक वर्ग-आधारित संरेखण कैसे टूट गया है।[2] 20वीं सदी के मध्य में, कम आय वाले, और, कम शिक्षा-प्राप्त मतदाता मुख्य रूप से वामपंथी दलों का समर्थन करते थे, जबकि अधिक धनी और अधिक शिक्षित समूहों का झुकाव दक्षिणपंथ की ओर होता था, जिससे स्पष्ट वर्ग विभाजन होता था और पुनर्वितरण की स्थिति में वृद्धि होती थी।

आज, वह पैटर्न टूट चुका है। सबसे पहले तो शिक्षा और आय अब अलग-अलग दिशाओं का रुख करते हैं (चित्र 15 देखें), जिससे पुनर्वितरण के लिए व्यापक गठबंधन बनाए रखना कहीं अधिक कठिन हो गया है। इस विकास का कारण यह है कि शैक्षिक विस्तार के साथ वर्ग संरचना में अधिक जटिलता आई है। उदाहरण के लिए, उच्च-शिक्षित लेकिन अपेक्षाकृत कम आय वाले बहुत से मतदाता (जैसे शिक्षक या नर्सें) अभी वामपंथ के पक्ष में मतदान करते हैं, जबकि कम शिक्षित लेकिन अपेक्षाकृत उच्च आय वाले ढेर सारे मतदाता (जैसे स्वरोजगारी या ट्रक चालक) दक्षिणपंथ के पक्ष में मतदान करने का रुझान रखते हैं।

और भी अधिक चौंकाने वाला विकास देशों के भीतर क्षेत्रीय विभाजनों का उदय है। कई उन्नत लोकतंत्रों में, बड़े महानगरीय केंद्रों और छोटे कस्बों के बीच राजनीतिक संबद्धता में फासले उस स्तर तक पहुँच गए हैं जैसा सदी में कभी नहीं देखा गया (देखें आकृति 16)। सार्वजनिक सेवाओं (शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और अन्य अधिसंरचनाएँ), रोजगार के अवसरों, और व्यापार में झटकों के सामने अरक्षित स्थिति ने सामाजिक एकजुटता को तोड़ दिया है और पुनर्वितरण संबंधी सुधार के लिए आवश्यक गठबंधनों को कमजोर कर दिया है।

परिणामस्वरूप, श्रमिक वर्ग के मतदाता अब या तो दोनों पक्षों के दलों में बिखर गए हैं या मजबूत प्रतिनिधित्व से वंचित रह गए हैं, जिसने उनके राजनीतिक प्रभाव को सीमित कर दिया है और असमानता को और भी गहरा दिया है। युद्धोत्तर युग के पुनर्वितरणवादी गठबंधनों को पुनः सक्रिय करने के लिए, सभी क्षेत्रों को लाभान्वित करने वाले अधिक महत्वाकांक्षी नीतिगत मंच तैयार करना अत्यंत आवश्यक है, जैसा उन्होंने अतीत में सफलतापूर्वक किया था।

यह विखंडन असमानता से निपटने के लिए आवश्यक राजनीतिक बुनियादों को कमजोर करता है और पुनर्वितरण संबंधी नीतियों के क्रियान्वयन को रोकता है। वहीं, राजनीति में धन का प्रभाव राजनीतिक प्रभाव में असमानता को और भी बढ़ाता है। चित्र 17 दिखाता है कि अभियानों का वित्तपोषण किस तरह से सबसे धनी लोगों के बीच केंद्रित है : फ्रांस और दक्षिण कोरिया में सबसे अमीर 10% नागरिक अनुपातहीन रूप से राजनीतिक दान का अधिकांश हिस्सा प्रदान करते हैं। वित्तीय शक्ति का यह संकेंद्रण अभिजात वर्ग की आवाज़ों को मजबूती देता है, न्यायसंगत नीतिनिर्माण की गुंजाइश घटाता है, और कामकाजी बहुमत को और भी हाशिए पर धकेल देता है।

चित्र 6. घरेलू श्रम को शामिल कर लेने के बाद, महिलाओं की कमाई पुरुषों की प्रति घंटा आय का 32% ही रह जाती है

घरेलू श्रम के घंटों को शामिल करने पर लैंगिक अंतराल, 2020–2025

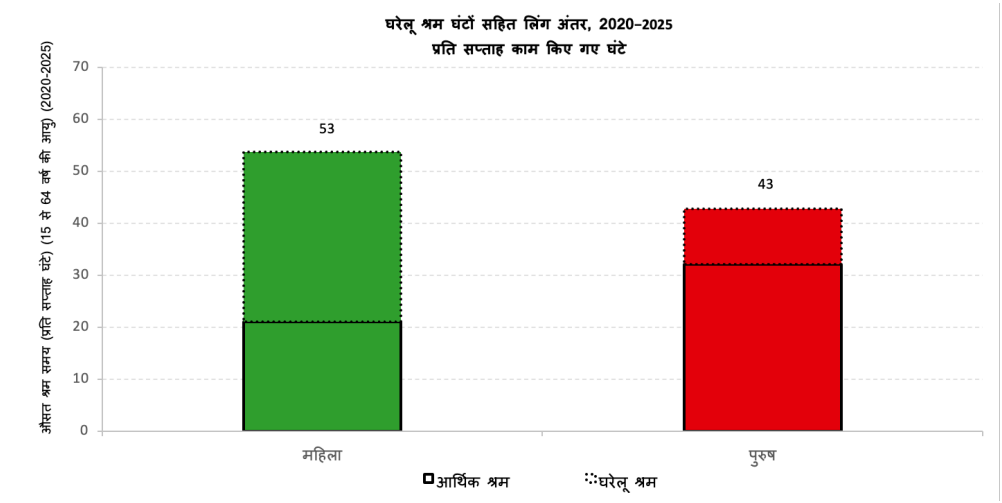

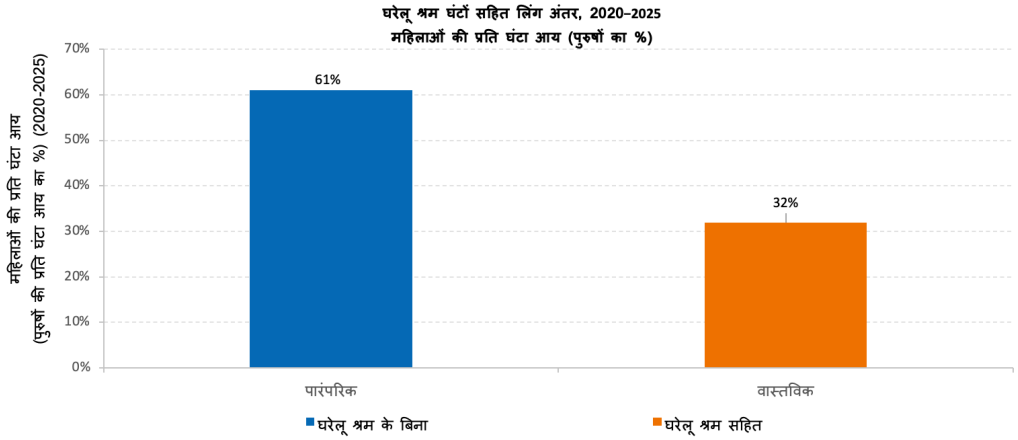

व्याख्या। पहला पैनल दर्शाता है कि, वैश्विक स्तर पर, आर्थिक और घरेलू श्रम दोनों को शामिल करने पर महिलाएं पुरुषों की तुलना में प्रति सप्ताह अधिक घंटे काम करती हैं। दूसरा पैनल दर्शाता है कि महिलाओं की प्रति घंटा आय पुरुषों की तुलना में काफी कम है: मापा गया अंतर (39%=100%-61%) तब छोटा होता है जब केवल आर्थिक श्रम पर विचार किया जाता है, लेकिन घरेलू श्रम के घंटों को शामिल करने पर यह बहुत बड़ा हो जाता है (68%=100%-32%)। साथ में, ये दोनों आंकड़े महिलाओं द्वारा झेले जाने वाले दोहरे बोझ को उजागर करते हैं: उनके श्रम के लिए कम प्रति घंटा प्रतिफल के साथ-साथ अधिक कुल कार्य समय। टिप्पणियाँ। आर्थिक श्रम में राष्ट्रीय खातों में दर्ज सवेतन गतिविधियाँ शामिल हैं। घरेलू श्रम में घरेलू कार्य, खाना पकाना और देखभाल संबंधी कार्य शामिल हैं। वैश्विक समय-उपयोग और आय डेटा का उपयोग करते हुए एंड्रीस्कू एट अल. (2025) द्वारा की गई गणनाएँ। स्रोत और शृंखला: एंड्रीस्कू एट अल. (2025)।

असमानता में कमी लाना राजनीतिक विकल्प है। लेकिन बँटे मतदाता, श्रमिकों का कम प्रतिनिधित्व, और धन के अत्यधिक प्रभाव – ये सभी सुधार के लिए आवश्यक गठबंधनों के खिलाफ काम करते हैं। यह हकीकत बदल सकती है। यह अभियानों के वित्तपोषण संबंधी नियमों, पार्टी रणनीतियों और संस्थागत संरचना के बारे में राजनीतिक विकल्पों को दर्शाता है, जिन्हें पर्याप्त इच्छाशक्ति से पुनः आकार दिया जा सकता है। इसलिए सहमति के लिए परिस्थितियाँ तैयार करना असमानता घटाने में किसी विशिष्ट नीतिगत साधन जितना ही महत्वपूर्ण है।

नीतिगत दिशाएँ

एक निष्कर्ष सबूतों से स्पष्ट है : कि असमानता को कम किया जा सकता है। ऐसी अनेक नीतियाँ हैं, जो फासलों को कम करने में अलग-अलग तरह से प्रभावी साबित हुई हैं।

एक महत्वपूर्ण रास्ता शिक्षा और स्वास्थ्य में सार्वजनिक निवेश के माध्यम से है। ये सबसे शक्तिशाली समताकारी साधनों में से हैं, फिर भी इन बुनियादी सेवाओं तक पहुँच असमान और स्तरीकृत बनी हुई है है। मुफ्त, उच्च-गुणवत्ता वाले स्कूलों, सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखरेख, बच्चों की देखरेख, और पोषण कार्यक्रमों में सार्वजनिक निवेश आरंभिक जीवन की असमानताओं को कम कर सकता है और आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा दे सकता है। यह सुनिश्चित करके कि पृष्ठभूमि के बजाय प्रतिभा और प्रयास जीवन के अवसरों का निर्धारण करें, ऐसे निवेश अधिक समावेशी और लचीले समाज का निर्माण करते हैं।

एक अन्य मार्ग पुनर्वितरण कार्यक्रमों के माध्यम से है। नकद अंतरण, पेंशन, बेरोजगारी लाभ, और कमजोर परिवारों के लिए लक्षित सहायता सीधे संसाधनों को वितरण के शीर्ष से निचले स्तर तक स्थानांतरित कर सकती है। जहाँ अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए हैं, वहाँ ऐसे उपायों ने आय के अंतर को कम किया है, सामाजिक एकजुटता को मजबूत किया है, और झटकों के खिलाफ बफर प्रदान किए हैं, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ कल्याणकारी राज्य कमजोर हैं।

लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने से भी प्रगति हो सकती है। लैंगिक अंतराल घटाने के लिए उन संरचनात्मक बाधाओं को तोड़ने की जरूरत पड़ती है जो इस बात को आकार देती हैं कि काम का मूल्यांकन और वितरण कैसे किया जाता है। बच्चों की किफायती देखरेख, पिता समेत अभिभावकों की छुट्टी, और देखरेख करने वालों के लिए पेंशन क्रेडिट के जरिए अवैतनिक देखभाल कार्य को मान्यता देने तथा पुनर्वितरित करने वाली नीतियाँ अवसरों के समान स्तर को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

चित्र 7. क्षेत्रों के बीच असमानता भी बहुत अधिक है

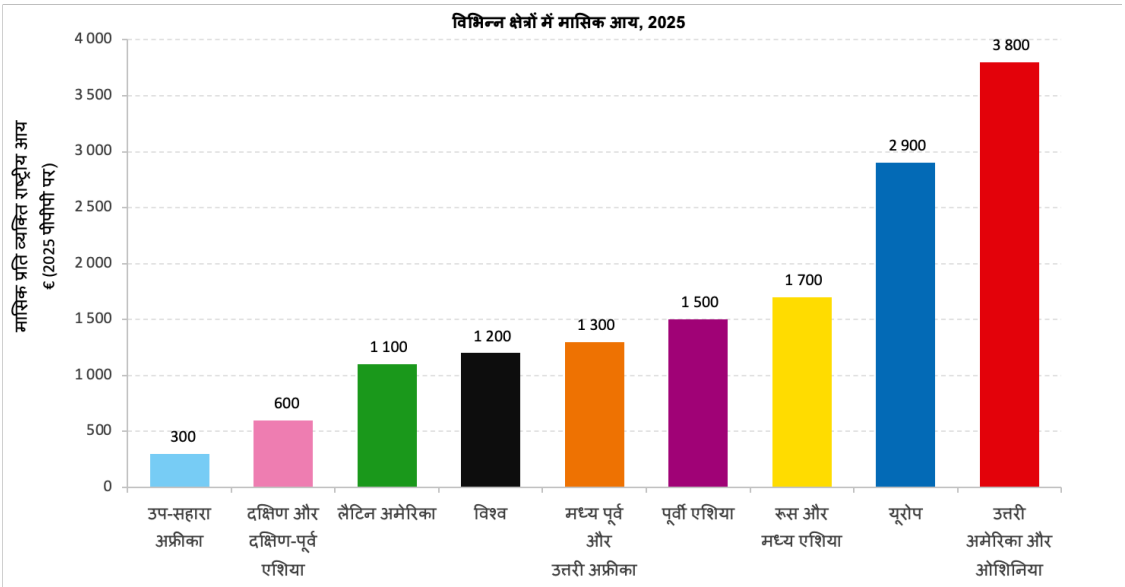

व्याख्या। क्षेत्रों के बीच आय के मामले में भारी असमानताएँ हैं। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में व्यक्ति की औसत मासिक आय €601 है, जबकि यूरोप में व्यक्ति की औसत मासिक आय €2,934 है। यह 4.9 गुना अधिक है। **स्रोत और शृंखलाएँ:** wir2026.wid.world/methodology.

समान वेतन का सख्त प्रवर्तन और कार्यस्थल पर भेदभाव के खिलाफ मजबूत सुरक्षा भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इन असंतुलनों को दूर करने से यह सुनिश्चित होता है कि अवसर और पुरस्कार लैंगिक आधार पर नहीं होकर, योगदान और क्षमता के आधार पर निर्धारित हों।

जलवायु नीति एक और महत्वपूर्ण आयाम प्रस्तुत करती है : खराब तरीके से डिज़ाइन किए जाने पर यह असमानता को बढ़ा सकती है, लेकिन सुनियोजित होने पर यह उसे कम भी कर सकती है। जलवायु सब्सिडी और प्रगतिशील कराधान के संयोजन में निष्पक्ष तरीके से कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकियों को अपनाने की गति में तेजी लाने की क्षमता है। विलासितापूर्ण उपभोग या उच्च-कार्बन निवेशों पर कर और विनियमन सबसे अमीर समूहों द्वारा उत्सर्जन के स्तर में कमी लाने में भी मदद कर सकते हैं।

एक अन्य शक्तिशाली उत्तेजक कर नीति है। न्यायसंगत कर व्यवस्थाएँ, जिसमें शीर्ष पर बैठे लोग प्रगतिशील करों के माध्यम से उच्च दरों पर योगदान करते हैं, संसाधनों को ही नहीं जुटाती हैं, राजकोषीय वैधता को भी मजबूत करती हैं। अरबपतियों और दस-करोड़पतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर की मामूली दरें भी वैश्विक जीडीपी के 0.45% से 1.11% के बीच संसाधन जुटा सकती हैं (देखें **आकृति 18**) और शिक्षा, स्वास्थ्य देखरेख, तथा जलवायु अनुकूलन में परिवर्तनकारी निवेशों का वित्तपोषण कर सकती हैं।

वैश्विक वित्तीय प्रणाली में सुधार करके भी असमानता को कम किया जा सकता है। वर्तमान व्यवस्थाएँ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं को सस्ते में उधार लेने और धनराशि का स्थिर प्रवाह आना सुनिश्चित करने की गुंजाइश देती हैं, जबकि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को महंगी देनदारियों और धनराशि का निरंतर बाहर प्रवाह होने का सामना करना पड़ता है। वैश्विक मुद्रा अपनाने, केंद्रीकृत क्रेडिट और डेबिट प्रणालियों, तथा अत्यधिक अधिशेषों पर सुधारात्मक करों जैसे सुधारों से सामाजिक निवेश के लिए राजकोषीय गुंजाइश बढ़ेगी और उस असमान विनिमय को कम किया जाएगा जिसने लंबे समय से वैश्विक वित्त को निर्धारित किया है।

चित्र 8. हर क्षेत्र में आय और उससे भी अधिक, संपत्ति शीर्ष पर अत्यधिक केंद्रित है

क्षेत्रों के भीतर असमानता, 2025

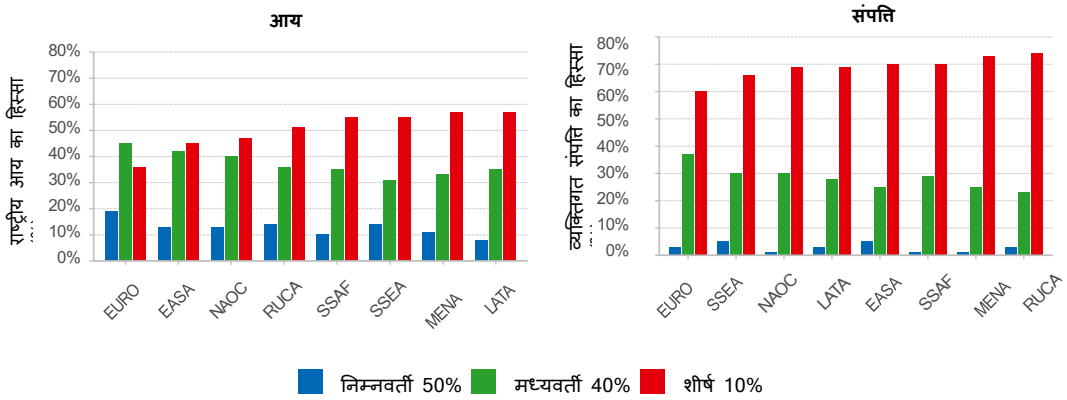

व्याख्या। प्रत्येक क्षेत्र में, आय और संपत्ति का क्षेत्रों के भीतर बहुत असमान वितरण है। शीर्ष पर आय की तुलना में संपत्ति काफी अधिक केंद्रित है। आँकड़े शीर्ष 10% हिस्सेदारी के अनुसार व्यवस्थित किए गए हैं। आय की माप व्यक्तियों द्वारा पेंशन और बेरोजगारी भत्ते प्राप्त करने के बाद, लेकिन आय कर और अन्य हस्तांतरणों से पहले की गई है। शुद्ध व्यक्तिगत संपत्ति व्यक्तियों के स्वामित्व वाली वित्तीय (जैसे इक्विटी, बॉन्ड) और गैर-वित्तीय (जैसे आवास, भूमि) परिसंपत्तियों का कुल योग है, जिसमें से ऋणों का घटा दिया गया है। **टिप्पणियाँ.** EASA : पूर्वी एशिया, EURO : यूरोप, LATA : लैटिन अमेरिका, MENA : मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका, NAOC : उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया, SSEA : दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया, SSAF : उप-सहारा अफ्रीका, और RUCA : रूस और मध्य एशिया। **स्रोत और शृंखलाएँ :** wir2026.wid.world/methodology.

निष्कर्ष

असमानता एक राजनीतिक विकल्प है। यह हमारी नीतियों, संस्थानों और शासन संरचनाओं का परिणाम है। बढ़ती असमानता की लागतें स्पष्ट हैं : बढ़ते फासले, कमजोर लोकतंत्र, और जलवायु संकट, जिसका सबसे अधिक बोझ उन पर पड़ता है जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं। लेकिन सुधार की संभावनाएँ भी उतनी ही स्पष्ट हैं। जहाँ पुनर्वितरण मजबूत है, कराधान निष्पक्ष है, और सामाजिक निवेशों को प्राथमिकता दी जाती है वहाँ असमानताएँ घट जाती हैं।

साधन मौजूद हैं। चुनौती राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। आने वाले वर्षों में हम जो विकल्प चुनेंगे, वे ही निर्धारित करेंगे कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अत्यधिक संकेंद्रण के मार्ग पर चलती रहेगी या साझा समृद्धि की ओर बढ़ेगी।

चित्र 9. कुछ देश कम आय और बहुत अधिक असमानता के दोहरे बोझ का सामना करते हैं

दुनिया भर में शीर्ष 10/निचले 50 आय अंतर, 2025

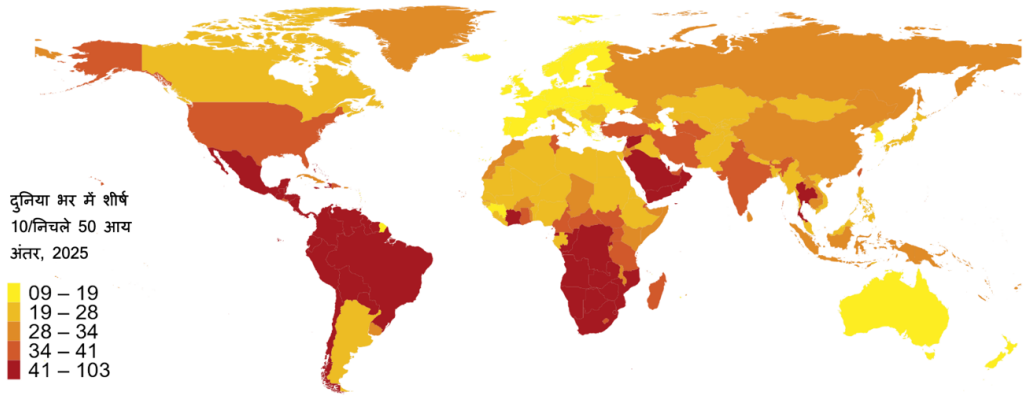

व्याख्या। यह मानचित्र 2025 में प्रत्येक देश की शीर्ष 10% और निम्नतम 50% आबादी की आय में हिस्सेदारी के बीच के अनुपात को दर्शाता है। आय का मापन व्यक्तियों द्वारा पेंशन और बेरोजगारी लाभ प्राप्त करने के बाद, लेकिन उनके द्वारा चुकाए जाने वाले अन्य करों और प्राप्त होने वाले हस्तांतरणों से पहले किया जाता है। स्रोत और श्रृंखला: चांसल और पिकेटी (2021) और wir2026.wid.world/methodology।

चित्र 10. प्रगतिशील कराधान और अंतरणों के जरिए असमानता घटाई जा सकती है

पुनर्वितरण, 1980–2025: करों और हस्तांतरणों के माध्यम से शीर्ष 10/निचले 50 आय अंतर में कमी

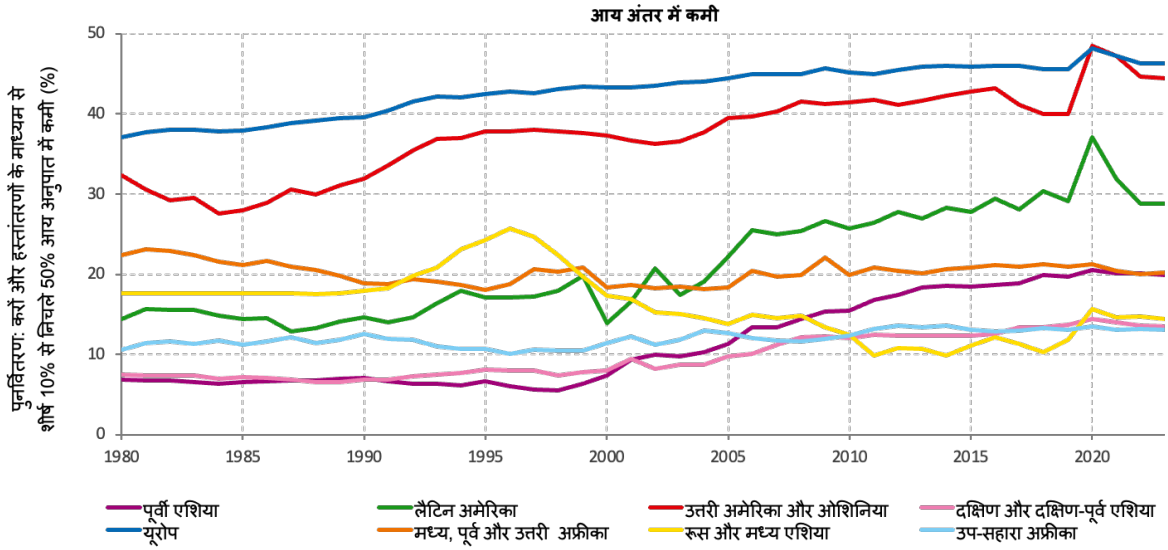

व्याख्या। यह आंकड़ा विभिन्न क्षेत्रों में असमानता पर करों और हस्तांतरणों के प्रभाव को दर्शाता है, जिसे शीर्ष 10% से निचले 50% आय अनुपात में कमी के रूप में मापा जाता है (एक सकारात्मक मान असमानता में कमी दर्शाता है)। कर और हस्तांतरण प्रणालियाँ सभी क्षेत्रों में असमानता को कम करती हैं, लेकिन पुनर्वितरण की सीमा में बहुत भिन्नता होती है। स्रोत और श्रृंखला: wir2026.wid.world/methodology और फिशर-पोस्ट और गेथिन (2025)।

चित्र 11. क्षेत्रों में अवसर संबंधी बड़ी असमानता

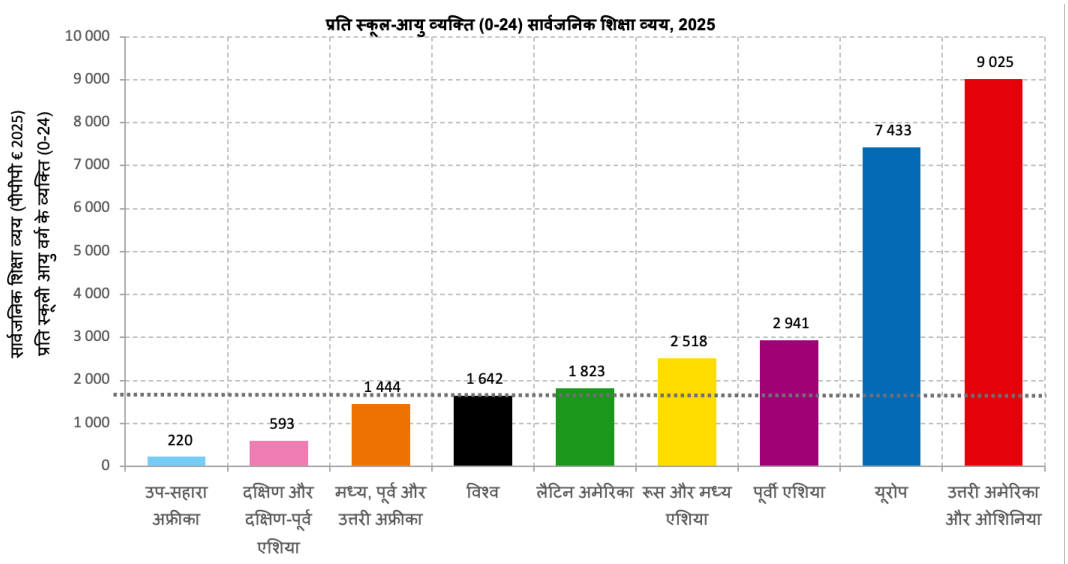

व्याख्या। 2025 में, प्रति स्कूली आयु वर्ग के व्यक्ति (0 से 24 वर्ष) का औसत सार्वजनिक शिक्षा व्यय दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में बहुत भिन्न होगा, उप-सहारा अफ्रीका में €220 से लेकर उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया में €9,025 (पीपीपी €2025) तक, यानी लगभग 1 से 41 का अंतर। यदि हम पीपीपी के बजाय बाजार विनिमय दरों (एमईआर) का उपयोग कर रहे होते, तो यह अंतर 2-3 गुना अधिक होता। स्रोत और श्रृंखला: विश्व मानव पूंजी व्यय डेटाबेस (whce.world) और भारती एट अल. (2025)।

चित्र 12. अति-धनी लोग प्रगतिशील कराधान से बच निकलते हैं

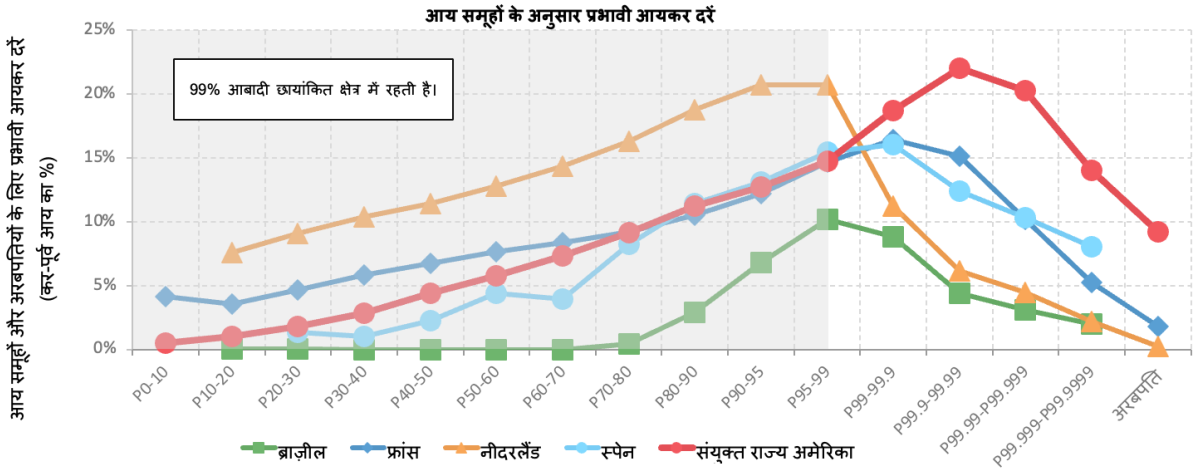

व्याख्या। यह आँकड़ा ब्राज़ील, फ़्रांस, नीदरलैंड, स्पेन और संयुक्त राज्य अमेरिका में कर-पूर्व आय वर्ग और अमेरिकी डॉलर अरबपतियों के लिए प्रभावी आयकर दरों को दर्शाता है। आयकर दरों में केवल व्यक्तिगत आयकर और समकक्ष शुल्क शामिल हैं। सभी मान कर-पूर्व आय के हिस्से के रूप में व्यक्त किए जाते हैं, जिसे पेंशन के बाद करों और हस्तांतरणों से पहले की सभी राष्ट्रीय आय के रूप में परिभाषित किया जाता है। P0–10 आय वितरण के निचले 10% को दर्शाता है, P10–20 अगले दशमलव को दर्शाता है, आदि। **स्रोत और श्रृंखला:** Artola et al. (2022), Bozio et al. (2024), Bozio et al. (2020), Bruil et al. (2024), Palomo et al.

चित्र 13. अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली अधिक असमानता उत्पन्न करती है

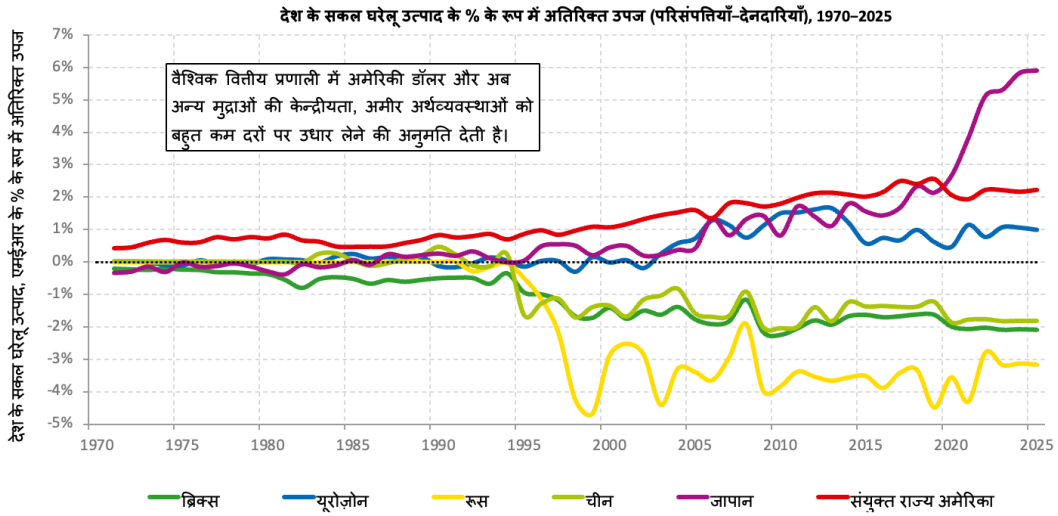

व्याख्या: यह ग्राफ़ अतिरिक्त उपज आय को दर्शाता है, जिसे राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के रूप में विदेशी परिसंपत्तियों और देनदारियों पर प्रतिफल के अंतर के रूप में परिभाषित किया गया है। यह आँकड़ा दर्शाता है कि अत्यधिक विशेषाधिकार जो कभी केवल संयुक्त राज्य अमेरिका तक सीमित था, अब एक व्यापक रूप से समृद्ध विश्व परिघटना बन गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका 2025 तक 2.2% का पर्याप्त विशेषाधिकार बनाए रखेगा। यूरोज़ोन 2025 तक 1% के साथ दूसरे स्थान पर है। जापान 2025 तक 5.9% के विशेषाधिकार के साथ सबसे आगे है। इसके विपरीत, ब्रिक्स देशों पर लगभग 2.1% का निरंतर बोझ बना हुआ है, जो धनी अर्थव्यवस्थाओं को पूँजी के शुद्ध प्रदाता के रूप में उनकी भूमिका को उजागर करता है। **टिप्पणियाँ:** धनात्मक मान वित्तीय विशेषाधिकार से आय में वृद्धि दर्शाते हैं; ऋणात्मक मान वित्तीय बोझ दर्शाते हैं। ब्रिक्स देशों में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। **स्रोत और शृंखलाएँ:** Nievas and Sodano (2025) and wir2026.wid.world/methodology.

चित्र 14. विशेषाधिकार संपन्न देशों को बाजार की गतिशीलता के कारण नहीं, राजनीतिक डिजाइन के कारण कम देयता लागत का सामना करना पड़ता है

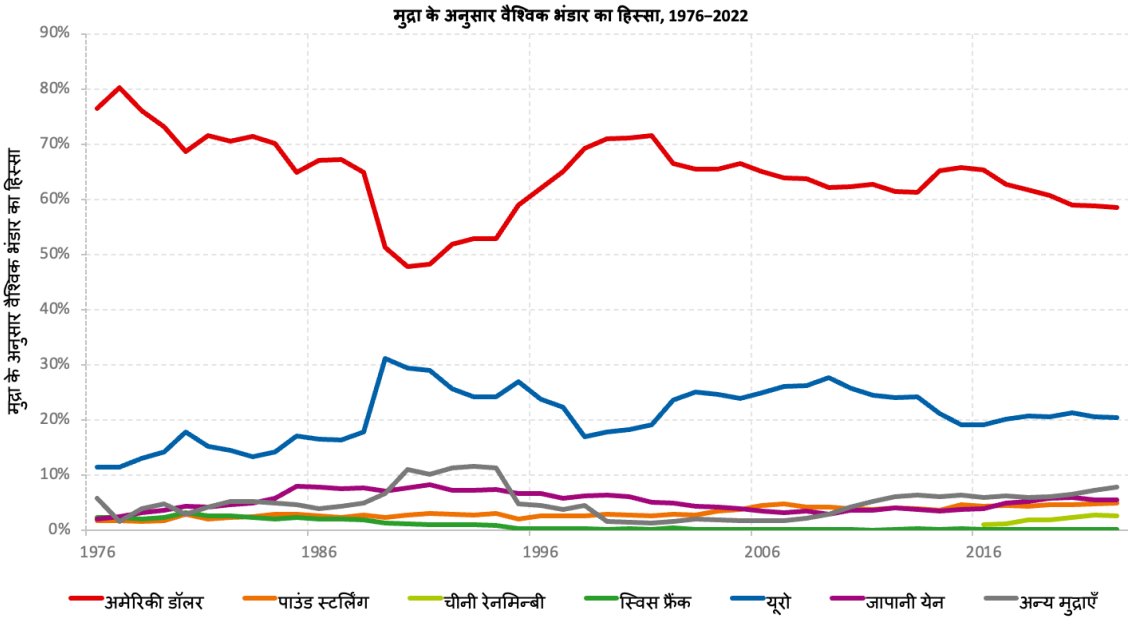

व्याख्या: अमीर देश अंतरराष्ट्रीय आरक्षित मुद्राएँ जारी करते हैं, जिनका उपयोग अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में और दुनिया भर में मूल्य के भंडार के रूप में किया जाता है। बेसल III जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नियमों के कारण, ये मुद्राएँ केंद्रीय बैंक के भंडार पर हावी रहती हैं, जिससे लगातार माँग बनी रहती है। इससे उधार लेने की लागत लगातार कम होती रहती है। **स्रोत और शृंखलाएँ:** Nievas and Sodano (2025) and wir2026.wid.world/methodology.

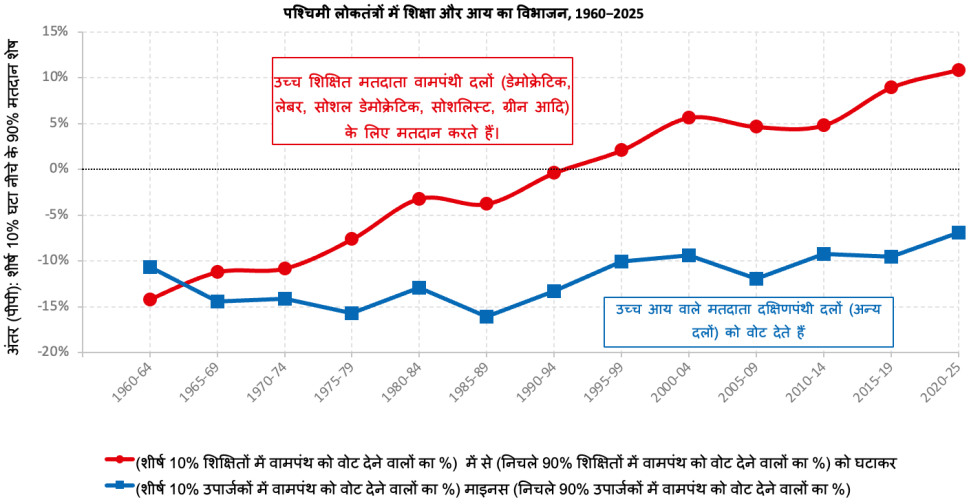

चित्र 15. हमें राजनीतिक कार्रवाई की आवश्यकता है लेकिन राजनीतिक गठबंधन बनाना मुश्किल है

व्याख्या: 1960 के दशक में, उच्च-शिक्षित और उच्च-आय वाले मतदाता, निम्न-शिक्षित और निम्न-आय वाले मतदाताओं की तुलना में वामपंथी (लोकतांत्रिक/श्रमिक/सामाजिक-लोकतांत्रिक/समाजवादी/हरित) दलों को वोट देने की संभावना 10 प्रतिशत से भी कम थी। वामपंथी वोट धीरे-धीरे उच्च-शिक्षित मतदाताओं से जुड़ गए, जिससे एक बहु-कुलीन दलीय व्यवस्था का उदय हुआ। ये आँकड़े ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड और अमेरिका के पाँच-वर्षीय औसत के अनुरूप हैं। अनुमान आय/शिक्षा, आयु, लिंग, धर्म, चर्च में उपस्थिति, ग्रामीण/शहरी, क्षेत्र, नस्ल/जातीयता, रोज़गार की स्थिति और वैवाहिक स्थिति (उन देश-वर्षों में जहाँ ये चर उपलब्ध हैं) को नियंत्रित करते हैं। **स्रोत और शृंखला:** Gethin et al. (2021) and *World Political Cleavages and Inequality Database* (wpid.world).

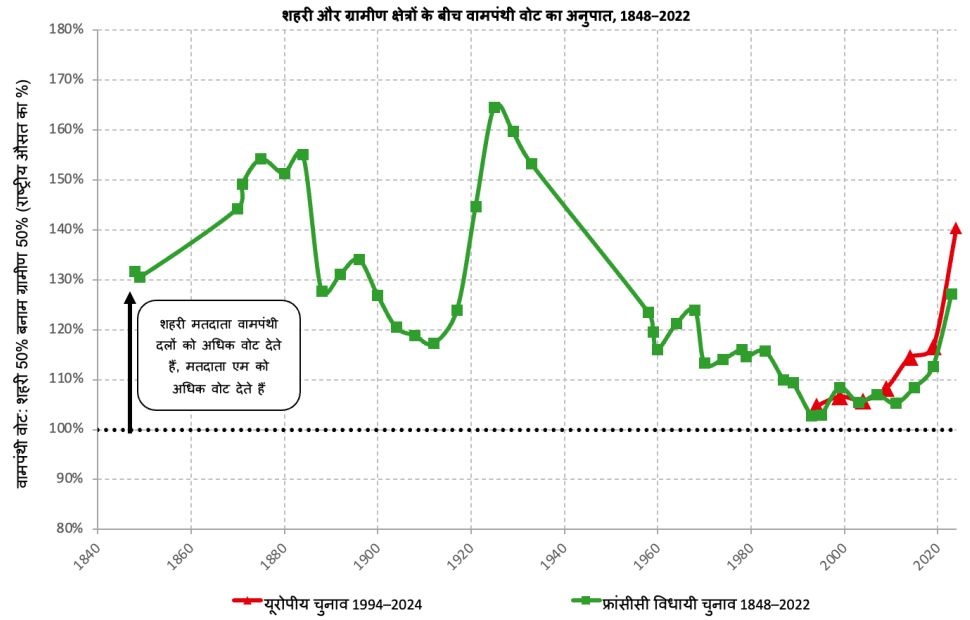

चित्र 16. बड़े शहरों और छोटे शहरों के बीच विभाजन उस स्तर पर पहुँच गए हैं जैसा एक सदी में नहीं देखा गया

व्याख्या। यह पैनल शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में वामपंथी मतों के अनुपात को दर्शाता है। यह 50% सबसे शहरी और 50% सबसे ग्रामीण (समूह के आकार के अनुसार) की तुलना करता है। यूरोपीय चुनावों (1994-2024) और विधायी चुनावों (1848-2022) दोनों में, 1990 के दशक के मध्य से शहरी-ग्रामीण अंतर स्पष्ट रूप से बढ़ता गया है, और 2024 के यूरोपीय चुनाव में इसमें तीव्र वृद्धि हुई है। **स्रोत और शृंखला:** Cagé and Piketty (2025) and unehistoiredunconflitpolitique.fr.

चित्र 17. पुनर्वितरण के बिना, राजनीतिक असमानता बढ़ेगी

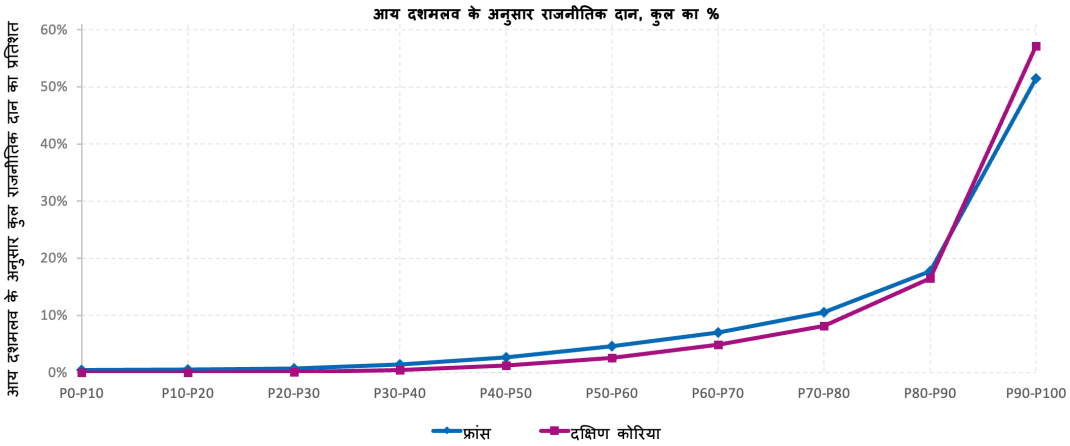

व्याख्या। फ्रांस और दक्षिण कोरिया में आय के दशमलव के अनुसार कुल राजनीतिक दान का औसत हिस्सा (2013-2021)। दान शीर्ष पर अत्यधिक केंद्रित है, जिसमें सबसे धनी दशमलव का योगदान सबसे बड़ा है। **स्रोत और श्रृंखला:** Cagé (2024).

चित्र 18. न्यूनतम कराधान शीर्ष पर प्रगतिशीलता की रक्षा कर सकता है और इससे प्राप्त राजस्व असमानता में कमी ला सकता है

आधारभूत, मध्यम और महत्वाकांक्षी परिदृश्यों के साथ वैश्विक कर न्याय के प्रस्ताव			
	आधारभूत	**मध्यम**	**महत्वाकाक्षी**
संपत्ति कर	10 करोड़ US$ से अधिक शुद्ध संपत्ति पर 2%	10 करोड़ US$ से अधिक शुद्ध संपत्ति पर 3%	10 करोड़ US$ से अधिक शुद्ध संपत्ति पर 3%
प्रभावित वयस्क	शीर्ष 0.002% (92,140)	शीर्ष 0.002% (92,140)	शीर्ष 0.002% (92,140)
कर राजस्व (अरब $)	563	754	1256
वार्षिक कर राजस्व वैश्विक जीडीपी के % के बतौर	0.45%	0.67%	1.11%
वार्षिक कर राजस्व उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में शिक्षा पर कुल व्यय के % के बतौर	1.2x	1.7x	2.9x
व्याख्या। इस तालिका में पूरी दुनिया में अमिरकी डॉलर के हिसाब से दस-करोड़पतियों और अरबपतियों (लगभग 92,140 वयस्कों) पर लागू होने वाले आधारभूत, मध्यम और महत्वाकांक्षी वैश्विक संपत्ति कर परिदृश्य प्रस्तुत हैं। परिदृश्यों में दरों और सीमाओं के लिहाज से भिन्नता है जिसमें अनुमानित आय 2025 में वैश्विक जीडीपी के 0.45% से लेकर 1.11% तक है। **टिप्पणियाँ।** अनुमान में 10% कर चोरी की बात मानकर चला गया है। **स्रोत और शृंखलाएँ :** संपत्ति कर सिमुलेटर (wid.world/world-wealth-tax-simulator) और wir2026.wid.world/methodology.			

टिप्पणियाँ

[1] उदाहरण के लिए देखें, आंद्रीस्कू और एलिस सोडानो (2024); एरियास-ओसोरियो एवं अन्य (2025); भारती और मो (2024); बॉलुज, ब्रास्साक, क्लारा मार्टिनेज़-तोलेदानो, नीवास एवं अन्य (2025); बॉलुज, ब्रास्साक, क्लारा मार्टिनेज़-तोलेदानो, पिकेट्टी और अन्य (2024); चैंसल, फ्लोरेस और अन्य (2025); डीट्रिच और अन्य (2025); अल हरीरी (2024); फ्लोरेस और ज़ुनिगा-कोर्डेरो (2024); फॉरवर्ड और फिशर-पोस्ट (2024); गोमेज़-कैरेरा, मोशरिफ़, नीवास, और पिकेट्टी (2024); गोमेज़-कैरेरा, मोशरिफ, नीवास, पिकेट्टी, और सोमान्ची (2025); लुबेस और रोबिलियार्ड (2024); नीवास और पिकेट्टी (2025).

[2] यह भी देखें - गेथिन, क्लारा मार्टिनेज-तोलेदानो, और पिकेट्टी (2021); गेथिन, क्लारा मार्टिनेज-टोलेदानो, और पिकेट्टी (2022); गेथिन और क्लारा मार्टिनेज-तोलेडानो (2025).

"हम एक ऐसी व्यवस्था में रहते हैं जहाँ निम्न-आय वाले देशों में श्रम और प्रकृति से निकाले गए संसाधन उच्च-आय वाली अर्थव्यवस्थाओं और देशों भर के अमीर अभिजात वर्ग के लोगों की समृद्धि और अस्थिर जीवन शैली को बनाए रखते हैं। ये पैटर्न बाज़ारों की कोई दुर्घटना नहीं हैं। वे इतिहास की विरासत और संस्थानों, नियमों और नीतियों के कामकाज को दर्शाते हैं— जो सभी असमान शक्ति संबंधों से जुड़े हैं, जिन्हें अभी तक पुनर्संतुलित किया जाना बाकी है।"

जयती घोष

"इतिहास, विभिन्न देशों के अनुभव, और सिद्धांत, सभी यह दर्शाते हैं कि आज की चरम असमानता अपरिहार्य नहीं है। प्रगतिशील कराधान, मजबूत सामाजिक निवेश, निष्पक्ष श्रम मानक, और लोकतांत्रिक संस्थानों ने अतीत में अंतर को कम किया है— और ऐसा फिर से कर सकते हैं। द वर्ल्ड इनिक्वॉलिटी रिपोर्ट 2026 इस बात का अनुभवजन्य आधार और बौद्धिक ढांचा प्रदान करती है कि क्या किया जा सकता है।"

जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज़

असमानता तब तक मौन रहती है जब तक कि वह घोटाले का रूप न ले ले। यह रिपोर्ट असमानता को आवाज़ देती है— और उन अरबों लोगों को भी, जिनके अवसर आज की असमान सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं द्वारा बाधित किए जाते हैं।

रिकार्डो गोमेज़-कैरेरा

"वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट 2026 एक उत्कृष्ट उपलब्धि है: वैश्विक स्तर पर, अपने सभी आयामों में असमानता के विकास की निगरानी करने के लिए यह एक निर्णायक संसाधन है। यह एक सच्ची वैश्विक सार्वजनिक संपदा है और दुनिया भर में सार्वजनिक बातचीत के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। हमें इसके लेखकों के प्रति अत्यंत आभारी होना चाहिए जो सभी के लाभ के लिए इस ज्ञान को फैलाकर ऐसी सेवा कर रहे हैं।"

गैब्रियल ज़ुक्मैन

"द वर्ल्ड इक्वालिटी रिपोर्ट 2026 दिखाती है कि असमानता अपरिहार्य नहीं है, बल्कि यह चुनावों, संस्थानों और शक्ति द्वारा आकार दी जाती है। आर्थिक, लैंगिक और जलवायु असमानताओं से चिह्नित एक दुनिया में, यह इन अंतर्संबंधों को समझने के लिए एक रूपरेखा और कार्रवाई का आह्वान प्रस्तुत करती है: एकजुटता को पुनर्स्थापित करने, लोकतंत्र में विश्वास को नवीनीकृत करने, और समाजों में समृद्धि को अधिक न्यायसंगत रूप से साझा करने के लिए।"

रौवैदा मोशरफ़ि

"अत्यधिक असमानताएँ अस्थिर हैं— हमारे समाजों और हमारे पारिस्थितिक तंत्रों के लिए। हर महाद्वीप के 200 से अधिक शोधकर्ताओं द्वारा चार साल के काम पर आधारित, यह रिपोर्ट सार्वजनिक बहस को सूचित करने, यह समझने कि आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक असमानताएँ कैसे विकसित होती हैं और एक-दूसरे से जुड़ती हैं— और कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए एक उपकरण-पेटिका प्रदान करती है।"

लुकास चैंसल

"दुनिया भर में बढ़ती असमानता के समय में, वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट 2026 हमें नवीनतम विकासों को समझने और उन्हें ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में रखने में मदद करने के लिए जानकारी का एक अमूल्य स्रोत प्रदान करती है। यह रिपोर्ट मापदंडों का एक समृद्ध सेट प्रदान करती है, जिसमें न केवल आय और संपत्ति, बल्कि लैंगिक असमानताएं, क्षेत्रीय असमानता, और देशों के भीतर राजनीतिक विभाजन भी शामिल हैं। असमानता के ये सभी पहलू आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे समाजों के विकास को आकार देंगे। तथ्यों को समझने और इस पर कि क्या किया जाए, नीतिगत बहस में भाग लेने के लिए रिपोर्ट पढ़ें।"

इमैनुएल सेज़

"विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 एक चुनौतीपूर्ण राजनीतिक समय में आई है, लेकिन यह पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी है। समानता की दिशा में इस ऐतिहासिक आंदोलन को जारी रखकर ही हम आने वाले दशकों की सामाजिक और जलवायु चुनौतियों का सामना कर पाएंगे।"

थॉमस पिकेटी

WIR2026.WID.WORLD

WORLD INEQUALITY LAB